.कक्षा 6 — हिंदी

पाठ 3: पहली बूँद (कविता)

अभ्यास प्रपत्र – 1 (Worksheet 1)

नाम: ________________________ **दिनांक:** ____________ **अनुभाग:** ________

(अ) बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions) — 10 प्रश्न

1. 'पहली बूँद' कविता के रचयिता कौन हैं?

(क) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(ख) गोपालकृष्ण कौल
(ग) रवींद्रनाथ टैगोर
(घ) मैथिलीशरण गुप्त

2. गोपालकृष्ण कौल का जन्म किस वर्ष हुआ था?

(क) 1920
(ख) 1923
(ग) 1930
(घ) 1935

3. कविता में 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) बादल
(ख) बूँद
(ग) अंकुर
(घ) पावस

4. 'जलधर' शब्द का शाब्दिक अर्थ है

(क) जल में रहने वाला
(ख) जल को धारण करने वाला
(ग) जल से डरने वाला
(घ) जल बहाने वाला

5. कविता में आकाश को किसके समान बताया गया है?

(क) नदी
(ख) सागर
(ग) पर्वत
(घ) वन

6. 'नीले नयनों-सा यह अंबर' में 'अंबर' का अर्थ है

(क) वस्त्र
(ख) आकाश
(ग) पानी
(घ) बादल

7. पहली बूँद धरती के सूखे अधरों पर गिरकर कैसी प्रतीत हुई?

(क) अमृत जैसी
(ख) विष जैसी
(ग) आग जैसी
(घ) बर्फ जैसी

8. नगाड़े की ध्वनि किसके धरती को जगाने का प्रतीक है?

(क) हवा
(ख) बादल
(ग) सूरज
(घ) चाँद

9. 'दूब' शब्द का अर्थ है

(क) फूल
(ख) एक प्रकार की घास
(ग) पेड़ की डाल
(घ) फल

10. गोपालकृष्ण कौल की एक अन्य प्रसिद्ध कविता है

(क) हम कुछ सीखें
(ख) मधुशाला
(ग) कामायनी
(घ) साखी

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (Fill in the Blanks) — 10 प्रश्न

1. 'पहली बूँद' कविता के कवि ______ हैं।
2. कविता की टेक पंक्ति है – "पहली बूँद ______ पर आई।"
3. आसमान में उड़ता ______ बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर उड़ रहा है।
4. बादल धरती की तरुणाई को जगाने के लिए ______ बजाते हैं।
5. वसुंधरा की रोमावलि-सी ______ पुलकी-मुसकाई।
6. 'अंबर' का अर्थ ______ होता है।
7. बूँद धरती की चिर-प्यास ______ देती है।
8. बुढ़ी धरती फिर से ______ बनने को ललचाई।
9. गोपालकृष्ण कौल ने बच्चों के लिए ______, प्रकृति और जीव-जंतुओं से जुड़ी कविताएँ लिखीं।
10. 'जलधर' शब्द ______ और धर, दो शब्दों से मिलकर बना है।

(स) सत्य/असत्य लिखिए (True / False) — 10 प्रश्न

1. 'पहली बूँद' कविता के कवि गोपालकृष्ण कौल हैं।
2. कविता में आकाश की तुलना सागर से की गई है।
3. 'अंबर' का अर्थ पानी होता है।
4. कवि ने धरती की तुलना वसुंधरा से की है।
5. कविता के अनुसार पहली बूँद गिरने से धरती उदास हो जाती है।

6. 'जलधर' शब्द का अर्थ जल को धारण करने वाला है।
7. गोपालकृष्ण कौल केवल प्रेम कविताएँ लिखते थे।
8. दूब हरी-भरी होकर मुस्कुराती है, ऐसा कविता में बताया गया है।
9. कविता में नगाड़े की ध्वनि का उल्लेख है।
10. कविता में बूँद को अमृत के समान बताया गया है।

(द) दो पंक्तियों में उत्तर दीजिए (Answer in 2 Lines) — 10 प्रश्न

1. 'पहली बूँद' कविता किसने लिखी है? संक्षेप में कवि परिचय दीजिए।

____

____

2. कविता में आकाश की तुलना किससे की गई है?

____

____

3. 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

____

____

4. दूब को कविता में कैसे दिखाया गया है?

____

____

5. 'जलधर' शब्द का अर्थ स्पष्ट करें।

____

____

6. बादल की तुलना नगाड़े से क्यों की गई है?

____

____

7. बूँद के गिरने से धरती पर क्या प्रभाव पड़ता है?

____

____

8. 'अंबर' और 'जलधर' के बीच कविता में क्या संबंध बताया गया है?

____

____

9. कविता की टेक पंक्ति क्या है और वह क्यों महत्वपूर्ण है?

____

____

10. गोपालकृष्ण कौल किस प्रकार की कविताएँ लिखते थे?

____

____

(य) लघु उत्तरीय प्रश्न — 5 से 8 पंक्तियों में उत्तर दीजिए — 5 प्रश्न

1. 'पहली बूँद' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

____

cbseclassworksheets.com

2. कवि गोपालकृष्ण कौल के जीवन और साहित्यिक योगदान पर एक टिप्पणी लिखिए।

3. कविता में प्रयुक्त प्रकृति चित्रण (आकाश, बादल, धरती) का वर्णन कीजिए।

4. वर्षा की पहली बूँद का धरती और जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? विस्तार से लिखिए।

5. कविता में प्रयुक्त किन्हीं दो अलंकारों/बिंबों को उदाहरण सहित समझाइए।

(र) किसने किससे कहा (Who Said to Whom) — 5 प्रश्न

1. "नव-जीवन की ले अँगड़ाई" — यह किसके विषय में और किसने कहा है?

2. "देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें" — यह पंक्ति किसने और किस संदर्भ में कही?

3. "पहली बूँद धरा पर आई" — यह किसके विषय में और किसने कहा है?

cbseclassworksheets.com

4. **"बादल धरती की तरुणाई (को जगा रहे हैं)" — यह पंक्ति किसने किसके विषय में कही है?**

5. **"आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों बढ़ी" — यह किसने कहा और किस कविता से लिया गया है?**

(ल) संदर्भ सहित व्याख्या (Reference to Context) — 5 प्रश्न

1. **"अंकुर फूट पड़ा धरती से, नव-जीवन की ले अँगड़ाई।"**
   संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

2. **"धरती के सूखे अधरों पर, गिरी बूँद अमृत-सी आकर।"**
   संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

3. **"आसमान में उड़ता सागर, लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर।"**
   संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

4. **"नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधर।"**
   संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

5. **"बुढ़ी धरती शस्य-श्यामला बनने को फिर से ललचाई।"**
   संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

cbseclassworksheets.com

cbseclassworksheets.com

उत्तर (Answer Key)

(अ) बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. 'पहली बूँद' कविता के रचयिता कौन हैं?

(क) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(ख) गोपालकृष्ण कौल ✓
(ग) रवींद्रनाथ टैगोर
(घ) मैथिलीशरण गुप्त

2. गोपालकृष्ण कौल का जन्म किस वर्ष हुआ था?

(क) 1920
(ख) 1923 ✓
(ग) 1930
(घ) 1935

3. कविता में 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) बादल
(ख) बूँद
(ग) अंकुर ✓
(घ) पावस

4. 'जलधर' शब्द का शाब्दिक अर्थ है

(क) जल में रहने वाला
(ख) जल को धारण करने वाला ✓
(ग) जल से डरने वाला
(घ) जल बहाने वाला

5. कविता में आकाश को किसके समान बताया गया है?

(क) नदी
(ख) सागर ✓
(ग) पर्वत
(घ) वन

6. 'नीले नयनों-सा यह अंबर' में 'अंबर' का अर्थ है

(क) वस्त्र
(ख) आकाश ✓
(ग) पानी
(घ) बादल

7. पहली बूँद धरती के सूखे अधरों पर गिरकर कैसी प्रतीत हुई?

(क) अमृत जैसी ✓
(ख) विष जैसी
(ग) आग जैसी
(घ) बर्फ जैसी

8. नगाड़े की ध्वनि किसके धरती को जगाने का प्रतीक है?

(क) हवा
(ख) बादल ✓
(ग) सूरज
(घ) चाँद

9. 'दूब' शब्द का अर्थ है

(क) फूल
(ख) एक प्रकार की घास ✓
(ग) पेड़ की डाल
(घ) फल

10. गोपालकृष्ण कौल की एक अन्य प्रसिद्ध कविता है

(क) हम कुछ सीखें ✓
(ख) मधुशाला
(ग) कामायनी
(घ) साखी

(ब) रिक्त स्थानों के उत्तर

1. 'पहली बूँद' कविता के कवि ______ हैं। → गोपालकृष्ण कौल
2. कविता की टेक पंक्ति है – "पहली बूँद ______ पर आई।" → धरा
3. आसमान में उड़ता ______ बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर उड़ रहा है। → सागर
4. बादल धरती की तरुणाई को जगाने के लिए ______ बजाते हैं। → नगाड़े
5. वसुंधरा की रोमावलि-सी ______ पुलकी-मुसकाई। → हरी दूब
6. 'अंबर' का अर्थ ______ होता है। → आकाश
7. बूँद धरती की चिर-प्यास ______ देती है। → बुझा
8. बुढ़ी धरती फिर से ______ बनने को ललचाई। → शस्य-श्यामला
9. गोपालकृष्ण कौल ने बच्चों के लिए ______, प्रकृति और जीव-जंतुओं से जुड़ी कविताएँ लिखीं। → देश-प्रेम
10. 'जलधर' शब्द ______ और धर, दो शब्दों से मिलकर बना है। → जल

(स) सत्य/असत्य के उत्तर

1. 'पहली बूँद' कविता के कवि गोपालकृष्ण कौल हैं। → सत्य
2. कविता में आकाश की तुलना सागर से की गई है। → सत्य
3. 'अंबर' का अर्थ पानी होता है। → असत्य
4. कवि ने धरती की तुलना वसुंधरा से की है। → सत्य
5. कविता के अनुसार पहली बूँद गिरने से धरती उदास हो जाती है। → असत्य
6. 'जलधर' शब्द का अर्थ जल को धारण करने वाला है। → सत्य
7. गोपालकृष्ण कौल केवल प्रेम कविताएँ लिखते थे। → असत्य
8. दूब हरी-भरी होकर मुस्कुराती है, ऐसा कविता में बताया गया है। → सत्य
9. कविता में नगाड़े की ध्वनि का उल्लेख है। → सत्य
10. कविता में बूँद को अमृत के समान बताया गया है। → सत्य

(द) दो पंक्तियों में उत्तर

1. 'पहली बूँद' कविता किसने लिखी है? संक्षेप में कवि परिचय दीजिए।

उत्तर: 'पहली बूँद' कविता के कवि गोपालकृष्ण कौल (1923-2007) हैं। वे बच्चों के लिए देश-प्रेम व प्रकृति से जुड़ी कविताएँ लिखने वाले प्रसिद्ध बाल साहित्यकार थे।

2. कविता में आकाश की तुलना किससे की गई है?

उत्तर: कविता में आकाश की तुलना सागर से की गई है, जो बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर उड़ता प्रतीत होता है।

3. 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर: 'नव-जीवन की ले अँगड़ाई' अंकुर के धरती से फूटने के लिए प्रयुक्त हुआ है।

4. दूब को कविता में कैसे दिखाया गया है?

उत्तर: दूब को कविता में हरी-भरी, पुलकित और मुस्कुराती हुई दिखाया गया है, मानो बूँद पाकर वह प्रसन्न हो उठी हो।

5. 'जलधर' शब्द का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर: 'जलधर' का अर्थ है जल को धारण करने वाला; यह शब्द बादल और समुद्र दोनों के लिए प्रयुक्त होता है।

6. बादल की तुलना नगाड़े से क्यों की गई है?

उत्तर: बादल की गड़गड़ाहट की ध्वनि नगाड़े की आवाज़ जैसी लगती है, इसलिए उसकी तुलना नगाड़े से की गई है।

7. बूँद के गिरने से धरती पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: बूँद के गिरने से सूखी धरती में नई जान आ जाती है और वह प्रसन्नता से भर उठती है।

8. 'अंबर' और 'जलधर' के बीच कविता में क्या संबंध बताया गया है?

उत्तर: अंबर (आकाश) को नीले नयनों जैसा और जलधर (बादल) को उसकी काली पुतली जैसा बताया गया है, दोनों के बीच नेत्र जैसा संबंध दर्शाया गया है।

9. कविता की टेक पंक्ति क्या है और वह क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: कविता की टेक पंक्ति 'पहली बूँद धरा पर आई' है; यह हर अंतरे के बाद दोहराई जाती है और कविता के मूल भाव पर ज़ोर देती है।

10. गोपालकृष्ण कौल किस प्रकार की कविताएँ लिखते थे?

उत्तर: गोपालकृष्ण कौल देश-प्रेम, प्रकृति और जीव-जंतुओं से जुड़ी सरल व सुंदर कविताएँ लिखते थे।

(य) लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर

1. 'पहली बूँद' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: कविता 'पहली बूँद' वर्षा की पहली बूँद के धरती पर गिरने का सुंदर चित्रण करती है। सूखी धरती पर बूँद अमृत-सी गिरती है, अंकुर फूट पड़ता है और दूब हरी-भरी होकर मुस्कुरा उठती है। आकाश को सागर और बादल को नगाड़ा बजाने वाला बताया गया है। अंत में धरती फिर से हरी-भरी (शस्य-श्यामला) बनने की कामना करती है। यह कविता प्रकृति के सुंदर मानवीकरण के माध्यम से वर्षा के महत्व को दर्शाती है।

2. कवि गोपालकृष्ण कौल के जीवन और साहित्यिक योगदान पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर: गोपालकृष्ण कौल (1923-2007) प्रसिद्ध बाल साहित्यकार थे। उन्होंने बच्चों के लिए देश-प्रेम, प्रकृति और जीव-जंतुओं से जुड़ी अनेक मनोरम कविताएँ लिखीं। उनकी कविता 'हम कुछ सीखें' में देश के प्रति कर्तव्य की भावना झलकती है। 'पहली बूँद' उनकी प्रसिद्ध कविताओं में से एक है, जिसमें उन्होंने प्रकृति का बड़ा ही जीवंत और भावपूर्ण चित्रण किया है।

3. कविता में प्रयुक्त प्रकृति चित्रण (आकाश, बादल, धरती) का वर्णन कीजिए।

उत्तर: कविता में आकाश को सागर के समान बताया गया है, जो बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर उड़ता है। बादल को नगाड़ा बजाकर धरती को जगाने वाला बताया गया है। अंबर को नीले नयनों जैसा और जलधर (बादल) को उसकी काली पुतली जैसा दिखाया गया है। इस प्रकार कवि ने प्रकृति के विभिन्न रूपों का मानवीकरण करते हुए अत्यंत सुंदर बिंब प्रस्तुत किए हैं।

4. वर्षा की पहली बूँद का धरती और जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? विस्तार से लिखिए।

उत्तर: पहली बूँद के गिरते ही सूखी धरती में जान आ जाती है – अंकुर फूट पड़ता है, दूब हरी होकर मुस्कुराती है और धरती की चिर-प्यास बुझ जाती है। यह बूँद जीवनदायिनी अमृत के समान है, जो प्रकृति में नई ऊर्जा और उल्लास भर देती है। इस प्रकार वर्षा की पहली बूँद संपूर्ण सृष्टि के लिए नवजीवन का संदेश लेकर आती है।

5. कविता में प्रयुक्त किन्हीं दो अलंकारों/बिंबों को उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर: कविता में दो प्रमुख बिंब हैं – पहला, आकाश की तुलना सागर से, जिसमें बिजली को सुनहरे पंख कहा गया है। दूसरा, अंबर और जलधर की तुलना नीले नयनों और काली पुतली से की गई है, जो एक सुंदर मानवीकरण है। इन बिंबों से कविता की सुंदरता और भावप्रवणता बढ़ जाती है।

(र) किसने किससे कहा — उत्तर

1. "नव-जीवन की ले अँगड़ाई" — यह किसके विषय में और किसने कहा है?

उत्तर: कवि गोपालकृष्ण कौल ने अंकुर के धरती से फूटने के विषय में यह कहा है।

2. "देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें" — यह पंक्ति किसने और किस संदर्भ में कही?

उत्तर: कवि गोपालकृष्ण कौल ने अपनी कविता 'हम कुछ सीखें' में देशवासियों/बच्चों को संबोधित करते हुए यह कहा है।

3. "पहली बूँद धरा पर आई" — यह किसके विषय में और किसने कहा है?

उत्तर: कवि ने पहली वर्षा की बूँद के धरती पर गिरने के विषय में यह कहा है।

4. "बादल धरती की तरुणाई (को जगा रहे हैं)" — यह पंक्ति किसने किसके विषय में कही है?

उत्तर: कवि ने बादलों द्वारा धरती को जगाने के विषय में यह कहा है।

5. "आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों बढ़ी" — यह किसने कहा और किस कविता से लिया गया है?

उत्तर: यह पंक्ति कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविता 'एक बूँद' से ली गई है, जिसमें बादल से निकली एक बूँद स्वयं से यह प्रश्न पूछती है।

(ल) संदर्भ सहित व्याख्या — उत्तर

1. "अंकुर फूट पड़ा धरती से, नव-जीवन की ले अँगड़ाई।"

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

प्रसंग: यह पंक्ति कवि गोपालकृष्ण कौल द्वारा रचित कविता 'पहली बूँद' से ली गई है।

व्याख्या: वर्षा की पहली बूँद गिरते ही धरती से अंकुर फूट पड़ता है, मानो वह नई जिंदगी पाकर अँगड़ाई ले रहा हो। यह पंक्ति वर्षा के जीवनदायी प्रभाव को दर्शाती है।

2. "धरती के सूखे अधरों पर, गिरी बूँद अमृत-सी आकर।"

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

प्रसंग: यह पंक्ति गोपालकृष्ण कौल की कविता 'पहली बूँद' से उद्धृत है।

व्याख्या: लंबे समय से सूखी पड़ी धरती पर जब पहली बूँद गिरती है, तो वह अमृत के समान प्रतीत होती है, जो धरती में नवजीवन का संचार करती है।

3. "आसमान में उड़ता सागर, लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर।"

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

प्रसंग: यह पंक्ति गोपालकृष्ण कौल की कविता 'पहली बूँद' से ली गई है।

व्याख्या: कवि ने आकाश की तुलना सागर से की है, जो बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर मानो उड़ रहा हो – यह वर्षा से पहले बिजली चमकने का सुंदर चित्रण है।

4. **"नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधर।"**

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

प्रसंग: यह पंक्ति गोपालकृष्ण कौल रचित 'पहली बूँद' कविता से है।

व्याख्या: नीले आकाश की तुलना नीली आँखों से और काले बादलों की तुलना उनकी काली पुतली से की गई है, जो प्रकृति के मानवीकरण का सुंदर उदाहरण है।

5. **"बुढ़ी धरती शस्य-श्यामला बनने को फिर से ललचाई।"**

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

प्रसंग: यह पंक्ति कविता 'पहली बूँद' के अंत से ली गई है।

व्याख्या: वर्षा के बाद बूढ़ी और सूखी धरती फिर से फसलों से हरी-भरी (शस्य-श्यामला) बनने की चाह रखती है, जो वर्षा के प्रति प्रकृति की लालसा को दर्शाती है।

cbseclassworksheets.com